भुवनेश्वर में कलिंग औद्योगिक प्रौद्योगिकी संस्थान के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण

09 **नवम्बर**, 2019

———

ओडिशा, ओडिशावासी ओ आपण मानंकु मोर नमस्कार (सबको मेरा नमस्कार)।

ओडिशा कु आसी मोते बहुत भल लागुच्छी।

कीट ओ कीस भली अनुष्ठान स्थापना करीथीबारु सांसद एवं कीट-कीस र प्रतिष्ठाता डॉ. अच्युत सामंतंकु धन्यबाद जणाउच्छी।

आज कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी **(Kalinga Institute of Industrial Technology)** के **15**वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में आप सबके बीच यहां आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस शुभ अवसर पर मुझे यहाँ आमंत्रित करने के लिए मैं इस संस्था के संस्थापक और माननीय संसद सदस्य, श्री अच्युत सामंत जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। आज यहाँ जिन विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी, मैं उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

प्रिय विद्यार्थियों, मैं दीक्षांत समारोह को सिद्धि-दिवस के रूप में देखता हूँ। आज आपके बरसों की ज्ञान-साधना की सिद्धि का दिन है। पिछले कई वर्षों से आप जिस ज्ञान-यज्ञ में दृढ़-संकल्प और परिश्रम के साथ लगे हुए हैं, आज उस ज्ञान-यज्ञ की पूर्णाहुति का दिन है।

साथियो, हम सब जानते हैं कि प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन में दीक्षांत समारोह बहुत ही महत्वपूर्ण अवसर होता है। हर विद्यार्थी विद्या-अध्ययन करने के दौरान उस दिन का स्वप्न देखता रहता है जब पढ़ाई पूरी करने और सफलतापूर्वक परीक्षा पास करने के बाद उसे दीक्षांत समारोह में डिग्री प्रदान की जाएगी। आप सबके जीवन में आज वह सपना सच होने जा रहा है। आप सबके जीवन के इस महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी होकर मुझे बहुत ख़ुशी हो रही है।

साथियो, आप सबको यहाँ तक पहुँचाने में आप सबके माता-पिता, अध्यापकों और इस शिक्षा संस्थान का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। उनके सहयोग और मार्गदर्शन के बिना आप सबके लिए इस मंज़िल को पाना बहुत मुश्किल होता। इसलिए आज का दीक्षांत समारोह आप सबके माता-पिता, अध्यापकों और इस शिक्षा संस्थान के लिए भी गर्व और प्रेरणा से भरा हुआ सफलता का दिन है। मैं उन्हें भी बधाई देता हूँ।

ख़ासकर, मैं कलिंगा इंस्टिच्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी **(KIIT)** की भी सराहना करता हूं जो आज के युवाओं को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार कर रहा है।

प्रिय विद्यार्थियों**!** आज आप छात्र जीवन से निकल कर एक नयी दुनिया में क़दम रखने जा रहे हैं। इस नयी दुनिया में कई चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ हैं। मैं जानता हूँ कि आप सब के कई सपने और अपेक्षाएँ होंगी। लेकिन आपके माता-पिता, आपके समाज, और आपके राष्ट्र को भी आपसे कई उम्मीदें और अपेक्षाएँ हैं। इसलिए आप सबको अपने जीवन में इन सारी अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाने के लिए लगातार कोशिश करनी

होगी और इन्हीं अपेक्षाओं और चुनौतियों को अवसर के रूप में बदलना होगा। तब ही आप अपना और अपने परिवार, समाज व राष्ट्र का विकास कर पाएँगे।

ज्ञान बहुत बड़ी शक्ति है। लेकिन इसका उपयोग हमेशा ही सकारात्मक और कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए। भले ही आज आप विद्यार्थी-जीवन से निकल रहें हैं, लेकिन आपको हमेशा ही विद्यार्थी बने रहना चाहिए। आपको हमेशा ही कुछ नया पढ़ते- सीखते रहना होगा और बदलते समय के साथ कदमताल करना होगा। तब ही आप आज के परिवर्तनशील **(Dynamic)** और तेज़ी से बदलती दुनिया के साथ क़दम से क़दम मिलाकर चल पाएँगे।

साथियो, मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि ज्ञान प्राप्त कर लेना बहुत बड़ी उपलब्धि है। लेकिन उससे भी ज़्यादा ज़रूरी यह है कि आप यह सीखें कि आपको अपने ज्ञान का वास्तविक जीवन में कैसे सही उपयोग करना है।

आप सभी होनहार युवा हैं। आप में अपार ऊर्जा, उमंग और उत्साह है। आप में नए ढंग से सोचने और रचनात्मक चिंतन की अपार क्षमता है।

मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि इस देश और समाज को आपकी ऊर्जा, उमंग, उत्साह और रचनात्मकता की बहुत ज़रूरत है। आप अपनी रचनात्मकता **(creativity)** का इस्तेमाल करके नई प्रौद्योगिकी **(Technology)** का विकास कर सकते हैं, देश और दुनिया की समस्याओं के नए समाधान ढूँढ सकते हैं।

मित्रो, हम सब जानते हैं कि शिक्षा समाज में सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने का एक सशक्त साधन है। इससे व्यक्ति को अपनी आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने की शक्ति मिलती है। निःसंदेह शिक्षा व्यक्ति को इस काबिल बनाती है कि वह रोजगार या उद्यम के माध्यम से प्राप्त होने वाली आर्थिक स्वतंत्रता से अपनी इच्छाओं को पूरा कर सकता है और अपने सपनों को साकार कर सकता है।

लेकिन यह केवल कमाई करने का साधन नहीं है। बल्कि अपना व्यक्तित्व बनाने और अपने आसपास की दुनिया को बदलने की शक्ति प्राप्त करने का साधन भी है।

शिक्षा कोई ऐसी जानकारी नहीं है जिसे इंसान के दिमाग में डाल देने के बाद उसे बिना समझे सारा जीवन बिताया जा सकता है। यह विचारों को आत्मसात करने की एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे जीवन का निर्माण होता है, चरित्र का निर्माण होता है और व्यक्तित्व का निर्माण भी होता है।

शिक्षा वह महत्वपूर्ण साधन है जिससे छात्र को एक ऐसे उपयोगी और ज़िम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है जो अनुशासनप्रिय हो और जिसके आचरण में मर्यादा हो।

मैं ये सब बातें इसलिए कह रहा हूँ क्यूँकि इन्हीं गुणों से समाज सशक्त होता है और देश में एकता और अखंडता का वास होता है। हम मानव गरिमा और समानता के मूल्यों पर आधारित आधुनिक लोकतंत्र का निर्माण करने के प्रयास कर रहे हैं।

ये ऐसे आदर्श हैं जिन्हें हमें पूरी तरह साकार करना चाहिए। हमारी भावी संकल्पना में इन महान सिद्धांतों को शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षा के बिना इन उद्देश्यों को पूरा नहीं किया जा सकता है।

मित्रो, जैसा कि आप जानते हैं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और विशेषकर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति के परिणामस्वरूप दुनिया में तेजी से बदलाव आ रहे हैं।

इंटरनेट पर आधारित डिजिटल दुनिया से सूचना के आदान-प्रदान का एक ऐसा सुपर हाइवे तैयार हुआ है जिससे पूरी दुनिया के बारे में हमारी जानकारी बढ़ी है।

ऐसी दुनिया में प्रौद्योगिकी से जुड़ी शिक्षा समाज और देश में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए, समय की मांग है कि हमें इस क्षेत्र में हो रही प्रगति की पूरी जानकारी हो। अब वह समय नहीं रहा जब एक साधारण डिग्री नौकरी के लिए काफी होती थी। यह विशेषज्ञता का युग है।

हम सब इस बात को समझते हैं कि हमारे आसपास प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलाव बहुत तेज गति से और व्यापक रूप से हो रहे हैं।

नई प्रौद्योगिकियों से नए प्रकार के रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। डाटा एनालिटिक्स **(Data Analytics)**, बिग डाटा **(Big Data)**, इंटरनेट ऑफ थिंग्स **(Internet of Things)**, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **(Artificial Intelligence)** जैसी नयी प्रौद्योगिकी **(Technology)** आ रही हैं, जो पूरे विश्व में उत्पादन प्रक्रियाओं में भी तेजी से बदलाव ला रही हैं। इसके साथ ही रोजगार, कल्याण और शिक्षा की विद्यमान प्रणालियों के समक्ष भी नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं।

हम जानते हैं कि इस युग में शिक्षा और रोजगार के अवसरों का भविष्य स्टेम मोड्यूल **(STEM Module)** पर टिका है अर्थात, विज्ञान **(Science),**प्रौद्योगिकी **(Technology)**, इंजीनियरिंग **(Engineering)**, और गणित **(Maths)**। इस नए रूझान के अनुसार मौजूदा पाठ्यक्रम को बदलना जरूरी हो गया है। स्टेम भारत में अभी शुरूआती चरण में है किन्तु शिक्षा प्रणाली में धीरे-धीरे इस रूझान को शामिल किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्किल इंडिया परियोजना को बढ़ावा देने और डिजिटलीकरण पर जोर दिए जाने से स्टेम शिक्षा शीघ्र ही सभी जगह लागू हो जाएगी।

मैं कोटा, राजस्थान से हूं जो प्रौद्योगिकी की शिक्षा में प्रवेश पाने के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है और यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है।

मैं मानता हूं कि शिक्षा और रोजगार के अवसर जो पहले कुछ ही लोगों को उपलब्ध थे, उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी में हो रही उन्नति से अधिकाधिक लोगों को उपलब्ध कराके परंपरागत समाजों को वास्तव में आगे बढ़ने का मौका दिया जा सकता है।

हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी की शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए किन्तु हमें जीवन में ह्यूमेनिटीज की भूमिका की भी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन के माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धति वर्तमान युग की आवश्यकताओं के अनुरूप होनी चाहिए। इसे समाज को प्रभावित करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।

हालांकि आज हमारे आसपास की दुनिया सूचना क्रान्ति पर आधारित है जो तेजी से आगे बढ़ रही है, किन्तु हमारा समाज परंपरागत समाज है और अपने आसपास हो रहे बदलाव के अनुसार खुद को ढालने में समय लगता है। हमें परंपरा और आधुनिकता में संतुलन रखना चाहिए।

जहां हमें आधुनिकता को अपनाना चाहिए, वहीं हमें अपनी परंपरा को नहीं भूलना चाहिए जो हमारे समाज का वास्तविक आधार है। जब मैं परंपरा की बात करता हूं तो इसका अर्थ है हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और हमारी महान सभ्यता की भव्यता।

बदलाव के प्रति हमारा भी यही दृष्टिकोण होना चाहिए। हमें अच्छे और बुरे में भेद करना आना चाहिए। हमें वही चुनना चाहिए जो हमारे लिए प्रासंगिक और सही है। आधुनिकता और आर्थिक संपन्नता की दौड़ में हमें अपनी संस्कृति और परम्परा के श्रेष्ठ और उद्दात मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए।

मित्रो, भारत विश्व का सबसे युवा देश है। हमारी **60%** से अधिक की जनसंख्या युवा है। ये हमारे लिए वरदान जैसा है। वहीं दूसरी ओर पूरे विश्व में आज कुशल युवा श्रमशक्ति की बहुत अधिक माँग है। हमारे देश के युवाओं के लिए न केवल अपने देश में, बल्कि विश्व के हर कोने में रोज़गार की अपार सम्भावनाएँ मौजूद हैं। इसलिए आप सबको इन मौक़ों का लाभ उठाना चाहिए।

लेकिन इसके लिए हमारे युवाओं को शिक्षा के साथ साथ विभिन्न प्रकार के कौशल **(Skills)** को भी सीखना होगा। आपको नई तकनीक **(Technology)** के उपयोग में दक्ष **(expert)** बनना होगा। और, निरंतर विकसित होने वाली नई-नई टेक्नोलोजी और ज्ञान-विज्ञान से ख़ुद को अपडेट करते रहना होगा।

आप सबके लिए यह सुनहरा अवसर है। जब आप विश्व के अलग अलग हिस्सों में जाकर वहाँ शानदार काम करेंगे तो भारत का सम्मान भी बढ़ेगा। आप सबके साथ-साथ भारत की सभ्यता और संस्कृति भी विश्व के कोने-कोने में विस्तारित होगी। इस प्रकार, निश्चित रूप से हम पुनः विश्वगुरु बन पाएँगे।

वर्तमान सरकार इस दिशा में लगातार कोशिश कर रही है कि हमारे देश के युवाओं को दक्ष बनाया जाए, शिक्षित बनाया जाए। इसके लिए सरकार युद्धस्तर पर कई योजनाएँ और कार्यक्रम चला रही है जैसे राष्ट्रीय शिक्षा मिशन, माध्यमिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय बालिका प्रोत्साहन योजना, कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति, अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति और छात्रवृत्ति, प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, मेक इन इंडिया आदि जो सभी छात्रों के लिए बहुत लाभदायक हैं।

लेकिन जब तक आपमें दृढ़ संकल्प, लगन नहीं होगा, जब तक आप कठोर परिश्रम नहीं करेंगे, तब तक यह उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

हमारे पूर्व राष्ट्रपति श्री कलाम साहब ने कहा है कि छोटे लक्ष्यों को सोचना ही अपराध है **(To think low is a crime)**।

आपको अपने विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं का इस्तेमाल करके ऊँचे से ऊँचा सपना देखना चाहिए, अपने लिए ऊँचे से ऊँचा लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

ईश्वर से मेरी प्रार्थना है कि आप सब राष्ट्र और समाज तथा मानवता का भला करते हुए एक सफल, सार्थक और सुखमय जीवन का आनंद लें।

अंत में, मैं डॉ. अच्युत सामंत और उनकी टीम के सभी सदस्यों को देश के इस भाग में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों और योगदान के लिए बधाई देना चाहूँगा। पिछले वर्षों में इस संस्थान को जो पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, वे इसकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के परिणाम हैं।

मैं एक बार फिर आज डिग्री प्राप्त कर रहे सभी छात्रों को बधाई देता हूँ और आपके करियर में सफलता की कामना करता हूँ। इसके साथ ही मैं कलिंगा इंस्टिच्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी **(Kalinga Institute of Industrial Technology)** की सराहना करते हुए इसके सभी भावी प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

धन्यवाद।

———